



॥ श्री वायु देव मुख्य मंत्र ॥
॥ ॐ वायवे नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री वायु देव मुख्य मंत्र ॥

1. मूल मंत्र (सबसे प्रचलित)

ॐ वायवे नमः॥

यह वायु देव का सरल एवं सर्वाधिक प्रचलित मंत्र है।

2. बीज सहित मंत्र

ॐ यं वायवे नमः॥

यहाँ "यं" वायु तत्व का बीजाक्षर माना जाता है।

3. प्राणस्वरूप मंत्र

ॐ प्राणात्मने वायुदेवाय नमः॥

यह मंत्र वायु देव को समस्त प्राणियों के प्राणस्वरूप मानकर उनकी उपासना के लिए जपा जाता है।

4. वैदिक मंत्र (ऋग्वेद)

वायवा याहि दर्शतेमे सोमा अरंकृताः।

तेषां पाहि श्रुधी हवम्॥

भावार्थ:

हे वायु देव! हमारे यज्ञ में पधारिए, श्रद्धा से अर्पित सोम को स्वीकार कीजिए और हमारी प्रार्थना सुनकर हमें अपनी कृपा प्रदान कीजिए।

5. प्रार्थना मंत्र

ॐ पवनात्मने नमः।

ॐ मारुताय नमः।

ॐ अनिलाय नमः।

ॐ प्राणेश्वराय नमः॥

जप विधि

प्रातःकाल स्नान के बाद पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें।

वायु देव का ध्यान करें।

धूप, दीप और पुष्प अर्पित करें।

"ॐ वायवे नमः" मंत्र का 108 बार रुद्राक्ष या तुलसी की माला से जप करें।

जप के अंत में वायु देव से आरोग्य, प्राणबल, मानसिक शांति और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें।

मंत्र जप के लाभ

प्राणशक्ति एवं आत्मबल में वृद्धि।

मानसिक शांति और एकाग्रता।

सकारात्मक ऊर्जा का विकास।

योग, प्राणायाम और ध्यान में स्थिरता।

जीवन में उत्साह, धैर्य और संतुलन की प्राप्ति।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"